

उत्तराखण्ड शासन  
सचिवालय प्रशासन (अधिष्ठान) अनुभाग-3  
संख्या: 384/XXXi(3)/2014-सु0-43/2006  
देहरादून: दिनांक: 4 अगस्त, 2014  
सितम्बर

कार्यालय ज्ञाप

अधोहस्ताक्षरी को यह कहने का निदेश हुआ है कि कार्यालय ज्ञाप संख्या: 384/XXXi(3)/2014-सु0/43/2006 दिनांक: 02 जुलाई, 2014 जिसके द्वारा सचिवालय सुरक्षा संवर्ग की ज्येष्ठता सूची में श्री रमाकांत त्रिपाठी को सम्मिलित किये जाने हेतु अनंतिम ज्येष्ठता सूची जारी की गयी थी। उक्त अनंतिम ज्येष्ठता सूची को सुरक्षा संवर्ग के समस्त अधिकारियों/कर्मचारियों को परिचालित करते हुये उनसे इस सम्बन्ध में आपत्तियां 15 दिन के भीतर मांगी गयी थी।

2- उक्त कार्यालय ज्ञाप संख्या: 384/XXXi(3)/2014-सु0/43/2006 दिनांक: 02 जुलाई, 2014 द्वारा जारी/परिचालित अनंतिम ज्येष्ठता सूची के सम्बन्ध में निर्धारित समयान्तर्गत निम्नानुसार आपत्तियां प्राप्त हुई हैं। प्राप्त आपत्तियों का निस्तारण निम्नवत् किया जा रहा है:-

क्र०सं०	आपत्ति का सार	आपत्ति के निस्तारण के सम्बन्ध में टिप्पणी
1	श्री चिन्तामणि उनियाल, रक्षक, श्री अजय कुमार, रक्षक, श्री सरदार सिंह राणा, रक्षक, श्री उम्मेद सिंह, मुख्य रक्षक, श्री केसर सिंह, मुख्य रक्षक, श्री गोविन्द सिंह बिष्ट, मुख्य रक्षक, श्री बिजेन्द्र सिंह चौधरी, रक्षक, श्री गंगा सिंह बिष्ट, रक्षक, श्री मोहन सिंह नेगी, मुख्य रक्षक, श्री रतन सिंह, मुख्य रक्षक, विशन सिंह रावत, रक्षक, श्री नौबहार सिंह, मुख्य रक्षक तथा श्री मोहन सिंह नेगी, मुख्य रक्षक, सचिवालय सुरक्षा दल की आपत्ति-मा0 उच्च न्यायालय में योजित रिट याचिका में पारित निर्णय के परिपेक्ष्य में श्री रमाकांत त्रिपाठी को सुरक्षा संवर्ग में सीधे संविलियन किये जाने का कोई आदेश पारित नहीं है। मा0 न्यायालय द्वारा श्री त्रिपाठी को समूह 'ग' के पद पर समायोजित किये जाने के निर्देश दिये गये हैं, सुरक्षा संवर्ग में नहीं। उत्तरांचल सचिवालय वैयक्तिक सहायक, अवर वर्ग सहायक, सहायक लेखाकार, टंकक, अनुसेवक के पदों पर संविलियन नियमावली, 2002 के नियम-4 के अधीन वहीं कर्मचारी संविलियन की पात्रता श्रेणी में आते हैं, जो आशुलिपिक, वरिष्ठ सहायक, वरिष्ठ लिपिक, कनिष्ठ लिपिक, टंकक, सहायक लेखाकार, लेखा लिपिक, कनिष्ठ लिपिक, समूह 'घ' के पद धारक हैं। श्री त्रिपाठी पूर्ववर्ती विभाग में प्रोजेक्ट	सचिवालय प्रशासन (अधि०) अनुभाग-2 के कार्यालय ज्ञाप संख्या: 2265/XXXi(2)/2013 दिनांक: 27 अगस्त, 2013 के द्वारा श्री रमाकांत त्रिपाठी, सचिवालय परिचारक को सचिवालय सुरक्षा संवर्ग के अन्तर्गत रक्षक (अपुनरीक्षित वेतनमान ₹3050-75-3950-80-4590) के पद पर दिनांक: 06.03.2003 से मौलिक नियुक्ति प्रदान की गयी है। नियमानुसार कार्मिक की मौलिक नियुक्ति की तिथि से ही कार्मिक की वरिष्ठता निर्धारित की जानी है। अतः अनन्तिम ज्येष्ठता सूची के विरुद्ध प्राप्त आपत्तियां ग्राह्य किये जाने योग्य नहीं है।

ऑपरेटर के पद पर कार्यरत थे, जिस कारण इनकी कार्य प्रकृति भिन्न होने एवं उपरोक्त निर्धारित पदों से भिन्न होने के पश्चात् श्री त्रिपाठी संविलियन नियमावली, 2002 में आच्छादित नहीं होते हैं, जिस कारण श्री त्रिपाठी का संविलियन दिनांक: 06.03.2003 से सुरक्षा संवर्ग में किया जाना न्याय संगत नहीं है। श्री त्रिपाठी द्वारा अपने पत्र दिनांक: 16.02.2004 एवं पुनः पत्र दिनांक: 11.01.2005 द्वारा सुरक्षा संवर्ग में संविलियन/प्रोन्नत किये जाने का अनुरोध किया गया है, वह कौन सी ऐसी परिस्थिति थी कि श्री त्रिपाठी को पूर्वगामी तिथि अथवा दिनांक: 06.03.2003 से संविलियन किया गया जो जाँच का विषय भी है, नियमानुकूल भी नहीं हैं। जहाँ श्री त्रिपाठी द्वारा 2004 एवं 2005 से संविलियन का अनुरोध किया जा रहा है, वहीं प्रशासनिक विभाग उन्हें 2003 से किस आधार पर संविलियन कर रहा है। यदि आवेदक को सुरक्षा संवर्ग में संविलियन किया जाना बाध्यकारी था। उनके द्वारा सुरक्षा संवर्ग में कार्य भार ग्रहण करने की तिथि यानि 06.03.2013 से किया जाना चाहिये था। किसी भी कर्मचारी को सुरक्षा संवर्ग में प्रोन्नत/संविलियन किये जाने हेतु सुरक्षा सेवा नियमावली, 2006 के नियम-5 के अधीन 60 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा एवं 40 प्रतिशत समूह 'घ' के पद धारकों से पदोन्नति से भरने जाने का प्रावधान है, सुरक्षा संवर्ग में सीधे संविलियन किये जाने का कोई उल्लेख नहीं है तथा श्री त्रिपाठी को कैसे सीधे संविलियन किया गया है। उत्तराखण्ड सचिवालय सुरक्षा सेवा नियमावली-2006 के नियम-13 के अधीन शारीरिक स्वस्थता के मापदण्ड निर्धारित है। श्री त्रिपाठी उस नियम के अधीन पात्रता की श्रेणी में भी नहीं आते तथा बिना किसी मापदण्ड के सचिवालय सुरक्षा संवर्ग में श्री त्रिपाठी को नियुक्त किया जाना सेवा नियमों का उल्लंघन है। उत्तराखण्ड सचिवालय वैयक्तिक सहायक, अवर वर्ग सहायक, सहायक लेखाकार, टंकक, अनुसेवक के पदों पर संविलियन (चतुर्थ संशोधन) नियमावली, 2002 में सचिवालय प्रशासन विभाग की अधिसूचना दिनांक: 08 फरवरी, 2005 द्वारा नियम-4 में संविलियन की पात्रता में संशोधन करते हुए यह



	<p>व्यवस्था की गयी है कि ऐसे समकक्षीय पद धारक जिन के कार्य की प्रकृति उपरोक्त पदों की अनुरूप थी को दिनांक: 08 फरवरी, 2008 से संविलियन करने की व्यवस्था है। श्री त्रिपाठी के कार्यों की प्रकृति के दृष्टिगत यदि सचिवालय प्रशासन विभाग सभी नियमों को ताक पर रखने की उदारता दिखाता है तब भी श्री त्रिपाठी का संविलियन दिनांक: 08 फरवरी, 2008 से पूर्व सुरक्षा संवर्ग में नहीं किया जा सकता है।</p>	
2	<p>श्री शूरवीर सिंह कैन्तुरा, रक्षक, श्री जगमोहन सिंह रावत, रक्षक, श्री हंसराम मट्ट, रक्षक तथा श्री चण्डी प्रसाद थपलियाल, रक्षक, सचिवालय सुरक्षा दल की आपत्ति- सचिवालय प्रशासन विभाग के कार्यालय आदेश दिनांक: 30 दिसम्बर, 2004 जिसके माध्यम से समूह 'घ' से सचिवालय सुरक्षा में रक्षक के पद वेतनमान 3050-70-7590 में पदोन्नति किये जाने हेतु योग्यता आठवीं पास या उससे अधिक होने पर इच्छुक कार्मिकों से दिनांक: 15 जनवरी, 2005 तक सचिवालय प्रशासन विभाग को विकल्प उपलब्ध कराये जाने के निर्देश दिये गये हैं, किन्तु श्री त्रिपाठी द्वारा विकल्प उपलब्ध नहीं कराया गया है। जिन कार्मिकों का चयन सुरक्षा संवर्ग में किया गया, उन्हें सुरक्षा सम्बन्धी प्रशिक्षण दिलाया गया है, किन्तु श्री त्रिपाठी द्वारा सुरक्षा से सम्बन्धी किसी भी प्रकार का प्रशिक्षण नहीं किया गया है। श्री त्रिपाठी को वर्ष 2003 में सचिवालय में संविलियन किया गया और उसी माह/वर्ष से सुरक्षा संवर्ग में नियुक्ति दी गई जो कि सुरक्षा संवर्ग के नियमावली के विरुद्ध एवं सुरक्षा कार्मिकों के साथ अन्याय है। श्री रमाकांत त्रिपाठी द्वारा सचिवालय प्रशासन को गुमराह किया गया है, क्योंकि वर्ष 1999 में कार्मिक अपने विभाग में यदि तृतीय श्रेणी में प्रोन्नत मानता है तो उसके विभाग द्वारा चतुर्थ श्रेणी की एल0पी0सी0 वेतनमान 2550-3200 दी गई है, जबकि त्रिपाठी को अपने विभाग से तृतीय श्रेणी की एल0पी0सी0 लानी चाहिए थी एवं सम्पूर्ण सेवा सम्बन्धी पत्रावली सचिवालय प्रशासन विभाग को अवगत करानी चाहिए थी, परन्तु श्री त्रिपाठी के मूल विभाग एवं श्री त्रिपाठी ने अवगत नहीं कराया। श्री रमाकांत त्रिपाठी का</p>	<p>सचिवालय प्रशासन (अधि0) अनुभाग-2 के कार्यालय ज्ञाप संख्या: 2265/xxxii(2)/2013 दिनांक: 27 अगस्त, 2013 के द्वारा श्री रमाकांत त्रिपाठी, सचिवालय परिचारक को सचिवालय सुरक्षा संवर्ग के अन्तर्गत रक्षक (अपुनरीक्षित वेतनमान ₹3050-75-3950-80-4590) के पद पर दिनांक: 06.03.2003 से मौलिक नियुक्ति प्रदान की गयी है। नियमानुसार कार्मिक की मौलिक नियुक्ति की तिथि से ही कार्मिक की वरिष्ठता निर्धारित की जानी है। अतः अनन्तिम ज्येष्ठता सूची के विरुद्ध प्राप्त आपत्तियां ग्राह्य किये जाने योग्य नहीं है।</p>

	<p>मा० उच्च न्यायालय द्वारा स्टे हो रखा था, जबकि वर्ष 2003 में उपरोक्त कार्मिक का संविलियन किस आधार पर किया गया। सचिवालय में संविलियन होने तक कोई भी जानकारी श्री त्रिपाठी ने सचिवालय प्रशासन को नहीं दी। श्री त्रिपाठी ने वर्ष 2003 में संविलियन होने के पश्चात् ही कोर्ट की शरण में गया, जिसकी सचिवालय प्रशासन विभाग से कोई अनुमति नहीं ली गयी। इस तरह से भी श्री त्रिपाठी का वर्ष 1999 में मूल विभाग में प्रोन्नति की गई तो किन कारणों से मूल विभाग में चतुर्थ श्रेणी में सचिवालय प्रशासन विभाग को क्यों भेजा। अतः सुरक्षा संवर्ग के कार्मिकों द्वारा वर्ष 2006 में जारी अनंतिम वरिष्ठता सूची में किसी भी प्रकार का संशोधन एवं पुनः निर्धारण किये जाने पर आपत्ति व्यक्त की गयी है।</p>	
3	<p><b>श्री दिनेश चन्द्र पाठक, मुख्य रक्षक तथा श्री हंसराम भट्ट, रक्षक, सचिवालय सुरक्षा दल की आपत्ति—</b> श्री रमाकांत त्रिपाठी को सचिवालय सुरक्षा सेवा भर्ती नियमावली में निहित प्रावधानों के विरुद्ध 2003 से संविलियन/नियुक्ति दर्शायी गयी है जबकि वास्तविक रूप से श्री त्रिपाठी को अगस्त 2013 में रक्षक के पद पर कार्यभार ग्रहण कराया गया है। अगस्त 2013 से पूर्व श्री त्रिपाठी चतुर्थ श्रेणी के पद पर कार्यरत थे तथा श्री त्रिपाठी को पूर्व में उनके मूल विभाग से सचिवालय में चतुर्थ श्रेणी के पद संविलियन किया गया था। मा० उच्च न्यायालय द्वारा शायद श्री त्रिपाठी को तृतीय श्रेणी के पद लिय जाने के आदेश हुये होंगे न कि सचिवालय सुरक्षा दल में रक्षक के पद पर लिये जाने के आदेश थे, किन्तु विभाग द्वारा सुरक्षा संवर्ग में पूर्व से कार्यरत सुरक्षा कार्मिकों के साथ अन्याय करते हुये अगस्त, 2013 के आदेश में श्री त्रिपाठी को 2003 से रक्षक के पद पर काल्पनिक रूप से मानते हुये अगस्त 2013 में वास्तविक रूप से रक्षक के पद रखे गये तथा इससे पूर्व श्री त्रिपाठी चतुर्थ श्रेणी के पद पर कार्यरत थे एवं इनके द्वारा चतुर्थ श्रेणी के सभी लाभ प्राप्त किये गये हैं। श्री त्रिपाठी को नियम विरुद्ध पिछली तिथि से सुरक्षा संवर्ग में संविलियन किये जाने के कारण सुरक्षा संवर्ग में कार्यरत कार्मिकों की वरिष्ठता प्रभावित हुई है।</p>	<p>सचिवालय प्रशासन (अधि०) अनुभाग-2 के कार्यालय ज्ञाप संख्या: 2265/XXXi(2)/2013 दिनांक: 27 अगस्त, 2013 के द्वारा श्री रमाकांत त्रिपाठी, सचिवालय परिचारक को सचिवालय सुरक्षा संवर्ग के अन्तर्गत रक्षक (अपुनरीक्षित वेतनमान ₹3050-75-3950-80-4590) के पद पर दिनांक: 06.03.2003 से मौलिक नियुक्ति प्रदान की गयी है। नियमानुसार कार्मिक की मौलिक नियुक्ति की तिथि से ही कार्मिक की वरिष्ठता निर्धारित की जानी है। अतः अनन्तिम ज्येष्ठता सूची के विरुद्ध प्राप्त आपत्तियां ग्राह्य किये जाने योग्य नहीं है।</p>



	अतः श्री त्रिपाठी को अन्य विभाग से संविलियन किये जाने पर वरिष्ठता सूची में निचले क्रम में रखे जाने का अनुरोध किया गया है।	
--	---	--

3- अनन्तिम ज्येष्ठता सूची के विरुद्ध प्राप्त प्रत्यावेदनों में वर्णित आपत्तियों का निस्तारण उपरोक्तानुसार किया जाता है तथा उक्त प्राप्त आपत्तियां ग्राह्य किये जाने योग्य नहीं हैं।

अतः उत्तराखण्ड सरकारी सेवक ज्येष्ठता नियमावली-2002 के प्राविधानों के अन्तर्गत ज्ञाप संख्या: 384/XXXi(3)/2014-सु0/43/2006 दिनांक: 02 जुलाई, 2014 के साथ संलग्न अनन्तिम ज्येष्ठता सूची को ही अंतिम किया जाता है। यह ज्येष्ठता सूची कार्यालय ज्ञाप संख्या: 2951/XXXi(1)/2004-55(6)/2004 दिनांक: 08.12.2004 तथा कार्यालय ज्ञाप संख्या: 358/XXXi(3)/2006 दिनांक: 18 जुलाई, 2006 द्वारा सचिवालय सुरक्षा संवर्ग में कार्यरत अन्य कार्मिकों की जारी अंतिम ज्येष्ठता सूची के क्रम में जारी की जा रही है।

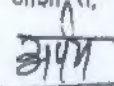
संलग्नक: परिशिष्ट।

(पी0एस0 जंगपांगी)  
सचिव

संख्या: 888/XXXi(3)/2014-सु0-43/2006, तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. प्रमुख सचिव, वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
2. प्रमुख सचिव, न्याय विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
3. सचिव, कार्मिक विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
4. स्टाफ ऑफिसर, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
5. सुरक्षा अधिकारी, सचिवालय/विधानसभा, उत्तराखण्ड, देहरादून।
6. निदेशक, एन0आई0सी0, उत्तराखण्ड सचिवालय को इंटरनेट प्रसारण हेतु।
7. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,  
  
(अर्पण कुमार राजू)  
अनुसचिव

बि.क-49

उत्तराखण्ड शासन  
सचिवालय प्रशासन (अधिष्ठान) अनुभाग-3  
संख्या:- /XXXI (3)/2014-सु0-43/2006  
देहरादून: दिनांक: 02 जून 2014  
कार्यालय ज्ञाप

उत्तराखण्ड सचिवालय सुरक्षा संवर्ग में कार्यरत कार्मिकों की अंतिम ज्येष्ठता सूची कार्यालय ज्ञाप संख्या: 2951/XXXI(1)/2004-55(6)/2004 दिनांक: 08.12.2004 (क्रमांक 1-7 तक) द्वारा तथा कार्यालय ज्ञाप संख्या: 358/XXXI(3)/2006 दिनांक: 18 जुलाई, 2006 (क्रमांक 8-41) द्वारा जारी की गई है।

2- इस सम्बन्ध में मा0 उच्च न्यायालय में योजित रिट याचिका सं0 2013(SIS)/2005 रमाकांत त्रिपाठी बनाम उत्तराखण्ड राज्य में मा0 उच्च न्यायालय द्वारा पारित निर्णय दिनांक: 11.12.2012 के अनुपालन के क्रम में अनुसेवक के पद पर कार्यरत श्री रमाकांत त्रिपाठी को दिनांक: 06.03.2003 से सचिवालय सुरक्षा संवर्ग के अन्तर्गत रक्षक (अपुनरीक्षित वेतनमान रु0 3050-75-3950-80-4590) के पद पर संविलियन करते हुये मौलिक नियुक्ति प्रदान की गयी है।

3- अतः उक्त के दृष्टिगत में श्री रमाकांत त्रिपाठी को सचिवालय सुरक्षा संवर्ग की ज्येष्ठता सूची में सम्मिलित किये जाने हेतु अनंतिम ज्येष्ठता सूची परिचालित करते हुये यह अपेक्षा की जाती है कि यदि सचिवालय सुरक्षा संवर्ग के किसी कार्मिक को अपनी स्थिति के सम्बन्ध में कोई आपत्ति हो तो कार्यालय ज्ञाप की प्राप्ति के 15 दिन के भीतर अपनी आपत्तियां साक्ष्यों सहित सचिवालय प्रशासन (अधि0) अनुभाग-3 को उपलब्ध करा दें। उक्त अवधि के उपरान्त प्राप्त प्रत्यावेदनों पर विचार नहीं किया जायेगा तथा प्राप्त आपत्तियों का निस्तारण करते हुये अंतिम ज्येष्ठता सूची जारी कर दी जायेगी।

संलग्नक: अनंतिम ज्येष्ठता सूची।

(पी0एस0 जंगपांगी)  
सचिव

संख्या:- 384/XXXI (3)/2014-सु0-43/2006, तददिनांकित।  
प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. सुरक्षा अधिकारी, सचिवालय/विधानसभा, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. समस्त निरीक्षक/उपनिरीक्षक/मुख्य रक्षक/रक्षक, सचिवालय सुरक्षा दल, उत्तराखण्ड, देहरादून।
3. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

अ.प.

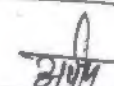
(अर्पण कुमार राजू)  
अनुसचिव



संख्या:- ३५/XXXI(3)/2014-सु-43/2006, दिनांक: २७-२-२५ का परिशिष्ट

सचिवालय सुरक्षा संवर्ग में रक्षक के पद पर वर्तमान में कार्यरत कार्मिकों की अनन्तिम ज्येष्ठता सूची:-  
(ज्येष्ठता क्रमांक 7 से आगे)

क्र० सं०	कर्मचारी का नाम	शैक्षिक योग्यता	जन्म तिथि	श्रेणी	भर्ती का स्रोत	रक्षक के पद पर मौलिक नियुक्ति की तिथि	अभ्युक्ति
1	2	3	4				10
8	सर्व श्री रमाकांत त्रिपाठी	इण्टरमीडिएट	15.05.61	सामान्य	संविलियन	06.03.2003	
9	नौबहार सिंह	बी०ए०	06.01.58	सामान्य	संविलियन	10.02.2005	
10	दिनेश चन्द्र पाठक	हाईस्कूल	12.07.56	सामान्य	प्रोन्नति	25.02.2005	
11	केशर सिंह	नवी	01.05.58	सामान्य	प्रोन्नति	25.02.2005	
12	रतन सिंह	नवी	07.03.59	सामान्य	प्रोन्नति	25.02.2005	
13	गोविन्द सिंह बिष्ट	आठवीं	10.05.59	सामान्य	प्रोन्नति	25.02.2005	
14	मोहन सिंह नेगी	आठवीं	06.06.67	सामान्य	प्रोन्नति	25.02.2005	
15	उम्मेद सिंह	हाईस्कूल	18.08.68	सामान्य	प्रोन्नति	25.02.2005	
16	नत्थु सिंह	आठवीं	08.07.53	अनु०ज०जाति	प्रोन्नति	25.02.2005	
17	राजेंद्र प्रसाद थपलियाल	-	30.07.56	सामान्य	प्रोन्नति	25.02.2005	से०नि०
18	प्रताप सिंह कण्डारी	-	15.09.52	सामान्य	प्रोन्नति	01.06.2005	
19	विजयपाल सिंह	आठवीं	09.06.53	अनु०जाति	प्रोन्नति	25.02.2005	से०नि०
20	विशन सिंह	हाईस्कूल	20.08.59	सामान्य	प्रोन्नति	25.02.2005	से०नि०
21	बिजेन्द्र सिंह चौधरी	हाईस्कूल	15.04.59	सामान्य	प्रोन्नति	25.02.2005	
22	प्रेम सिंह भण्डारी	हाईस्कूल	15.01.61	सामान्य	प्रोन्नति	25.02.2005	
23	गोवर्द्धन प्रसाद बडोनी	-	10.05.59	सामान्य	प्रोन्नति	08.06.2005	
24	जगन्मोहन सिंह शायत	-	12.05.58	सामान्य	प्रोन्नति	01.06.2005	से०नि०
25	गंगा सिंह बिष्ट	आठवीं	30.01.62	सामान्य	प्रोन्नति	08.06.2005	
26	सत्यप्रसाद चमोली	हाईस्कूल	15.06.61	सामान्य	प्रोन्नति	25.02.2006	
27	भरत सिंह गुसाई	हाईस्कूल	05.12.57	सामान्य	प्रोन्नति	25.02.2006	
28	शूरवीर सिंह कैतुरा	इण्टरमीडिएट	16.12.65	सामान्य	प्रोन्नति	25.02.2006	
29	मकान सिंह	हाईस्कूल	07.08.60	सामान्य	प्रोन्नति	25.02.2005	
30	भगवान सिंह	आठवीं	10.11.65	सामान्य	प्रोन्नति	01.06.2005	
31	मातवर सिंह पवार	हाईस्कूल	30.10.60	सामान्य	प्रोन्नति	25.02.2005	
32	हंसराम भट्ट	अनुत्तीर्ण				25.02.2005	
33	चण्डी प्रसाद	हाईस्कूल	25.06.63	सामान्य	प्रोन्नति	01.06.2005	
34	अनिल कुमार उनियाल	हाईस्कूल	10.06.60	सामान्य	प्रोन्नति	25.02.2005	
35	भगवत प्रसाद	अनुत्तीर्ण					
36	चिन्तामणि उनियाल	आठवीं	01.01.70	सामान्य	प्रोन्नति	01.06.2005	
37	चिन्तामणि चमोली	हाईस्कूल	05.07.64	सामान्य	प्रोन्नति	25.02.2005	
38	शिव लाल	अनुत्तीर्ण					
39	धीरेन्द्र सिंह नेगी	सातवीं	17.10.69	सामान्य	प्रोन्नति	20.04.2005	
40	सरदार सिंह राणा	बी०ए०	10.07.70	सामान्य	प्रोन्नति	25.02.2005	
41	अजय कुमार	-	10.08.68	अनु०जाति	प्रोन्नति	25.02.2005	
42	पुष्कर सिंह	हाईस्कूल	16.07.67	सामान्य	प्रोन्नति	25.02.2005	
		हाईस्कूल	02.10.74	अनु०ज०जा०	प्रोन्नति	25.02.2005	
		अनुत्तीर्ण	03.06.77	अनु०जा०	प्रोन्नति	25.02.2005	
		हाईस्कूल	09.11.65	सामान्य	प्रोन्नति	25.02.2005	

  
(अर्पण कुमार राजू)  
अनुसचिव